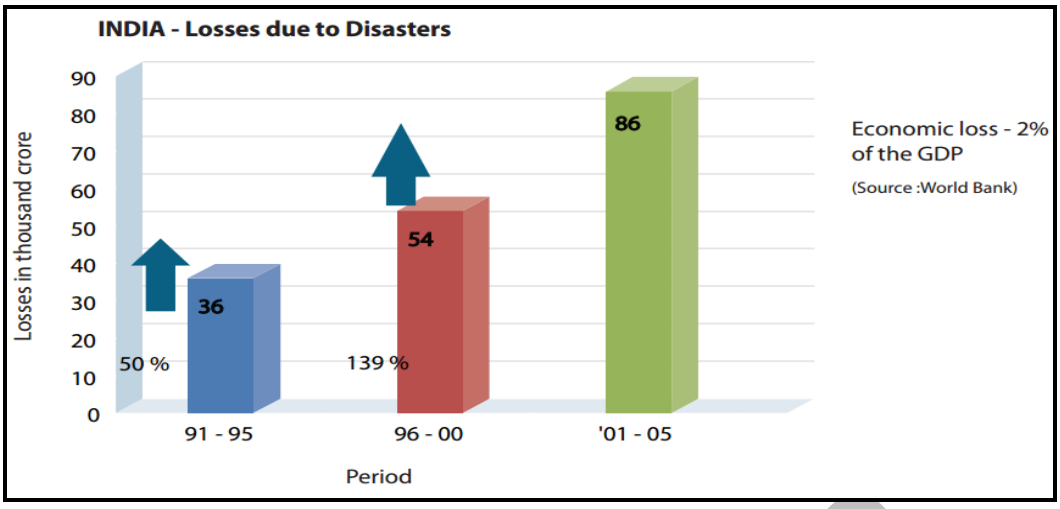

- **सुभेद्य समूहों के अंतर्गत** वृद्ध, महिलाएं, बच्चे (विशेषकर निराश्रित महिलाएं और अनाथ बच्चे) तथा दिव्यांग व्यक्ति अपेक्षाकृत उच्च जोखिमों के प्रति अनावरित होते हैं।
- प्राकृतिक कारकों के अतिरिक्त **मानव-प्रेरित गतिविधियां,** जैसे- बढ़ता जनसांख्यिकीय दबाव, बिगड़ती पर्यावरणीय परिस्थितियां, वनोन्मूलन, अवैज्ञानिक विकास, दोषपूर्ण कृषि व चराई पद्धतियां, अनियोजित शहरीकरण, नदियों पर बड़े-बड़े बांधों का निर्माण आदि भी देश में आपदाओं के प्रभाव तथा आवृत्ति में वृद्धि के लिए उत्तरदायी हैं। भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद (Building Material and Technology Promotion Council: BMTPC) ने भारत का सुभेद्यता एटलस प्रकाशित किया है।

आपदाओं के कारण आर्थिक हानि

- विश्व बैंक के अनुसार, आपदाओं के कारण GDP के 2% की आर्थिक हानि होती है।

3.2. प्राकृतिक आपदाएं

(Natural Disasters)

3.2.1. भूकंप (Earthquake)

भूकंप क्या है?

- भूकंप भू-पटल या भूपर्पटी का आकस्मिक कंपन है। भूकंप का प्रभाव आकस्मिक होता है और इसका पहले से कोई संकेत भी प्राप्त नहीं होता है, जिससे इसकी भविष्यवाणी करना असंभव हो जाता है।

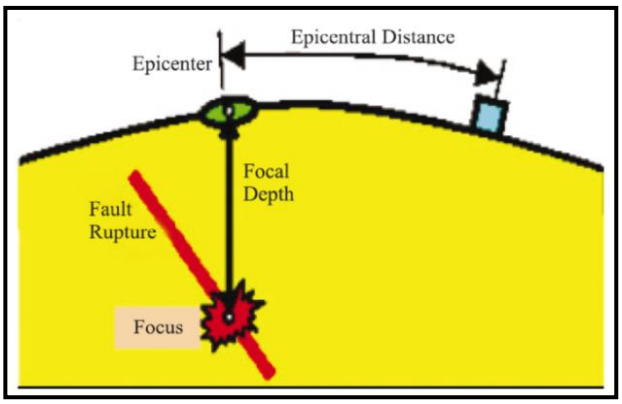

भूकंप के कारण

- भूकंप, मैंटल के ऊपर गतिशील प्लेटों की सीमाओं पर हुए संचलनों के कारण आता है। जब ये प्लेटें एक दूसरे के संपर्क में आती हैं, तो पर्पटी पर दबाव बढ़ता है। इन दबावों को प्लेटों की सीमाओं पर होने वाले संचलन के प्रकार के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है:
  - प्लेटों के विपरीत दिशा में गति के कारण उत्पन्न खिंचाव (अपसारी सीमा पर),
  - प्लेटों की एक-दूसरे की ओर गति के कारण उत्पन्न दबाव (अभिसारी सीमा पर) और
  - प्लेटों के बीच एक-दूसरे के सापेक्ष क्षैतिज गति से उत्पन्न घर्षण (संरक्षी सीमा पर)

VISION IAS